

पम च । १५०

५१४/२५- पत्रावधि पेय हुई। पकील
वादी एवं वादीगण अनुपालित।
वादी कथिवन्ता एवं वादीगण
को व्यापार्य दाय बार-बार
जावसे लजवापी गई। परन्तु
इन्की ओर से कोई उपरिक्त
गती हुए। प्रकण ठाण मजरी
एंडअण फेरी खारीज फिया जाता
है। पत्रावधि फेसल बुमार हो।
वाम्बर से कम की जावे।

